दक्षिण पश्चिम रेलवे
हुब्बल्लि मंडल

प्रतिबिंब

अंक : 30 (त्रैमासिक गृह पत्रिका)
जनवरी–मार्च 2019

संरक्षक की कलम से.....

हुब्बल्लि मंडल के राजभाषा संगठन की त्रैमासिक पत्रिका "प्रतिबिंब" का 30वां अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह पत्रिका एक ओर रेल कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सृजनात्मक प्रतिभा से परिचित कराती है, तो दूसरी ओर मंडल के विभिन्न रेल कार्यालयों के मध्य सेतु बनकर रेल कार्यालयों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों से अवगत कराती है। इस पत्रिका के नियमित प्रकाशन से यह स्पष्ट है कि राजभाषा संगठन मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हम सभी जानते हैं कि निजीकरण, उदारीकरण और वैश्वीकरण के इस दौर में हिंदी का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में क्षेत्रीय भाषाएं अंग्रेजी भाषा के सामने जहां अपनी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं वहीं हिंदी भाषा समय के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर विकसित होने में सफल रही है और किसी क्षेत्र विशेष या अंचल की भाषा न रहकर न केवल देश में अपितु विदेश में भी संपर्क भाषा व आधिकारिक भाषा बन रही है। हाल ही में अबू धाबी ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अरबी और अंग्रेजी के बाद हिंदी को अपनी अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है। इस कदम से श्रम मामलों में अरबी और अंग्रेजी के साथ अदालतों के समक्ष दावों के बयान के लिए हिंदी भाषा के माध्यम का विस्तार कर दिया गया है। इससे हिंदी भाषी लोगों को मुकदमे की प्रक्रिया, उनके अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत होने में मदद मिलेगी। इस तरह हिंदी भाषा न केवल देश में बल्कि विदेश में भी अपनी सरलता, सहजता के कारण लोकप्रिय हो रही है और एक सशक्त भाषा के रूप में हमारे सामने आ रही है।

समय की मांग के अनुसार हमें भी अपना अधिकाधिक सरकारी कामकाज सरल और स्पष्ट भाषा हिंदी में करना है, ताकि हम संविधान के प्रति अपने दायित्वों का पालन कर सकें। आपके सहयोग से ही हम राजभाषा कार्यान्वयन के शीर्षस्थ स्थान पर पहुंच सकते हैं।

मैं आशा करता हूं कि यह पत्रिका हममें राजभाषा के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करेगी तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए हमारे कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

पत्रिका के इस अंक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद, जय हिंदी!

(राजेश मोहन)
मंडल रेल प्रबंधक, हुब्बल्लि

हुब्बल्लि मंडल में लोकार्पण/उद्घाटन

श्री अनंतकुमार हेगड़े, माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री ने दिनांक 09–02–2019 को खानापुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में खानापुर में नए स्टेशन भवन तथा लोंडा स्टेशन पर नए ऊपरी पैदल पुल के लिए आधारशिला रखी तथा खानापुर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी सं. 11005/11006 दादर–पुडुचेरी–दादर त्रै–सप्ताहिक एक्सप्रेस गाड़ी के लिए ठहराव का प्रावधान शुरू किया।

श्री सुरेश अंगडी, माननीय संसद तथा लोकसभा सदन समिति के अध्यक्ष ने दिनांक 29–01–2019 को घटप्रभा स्टेशन पर नए स्टेशन भवन के निर्माण तथा नए ऊपरी पैदल पुल के लिए आधारशिला रखी।

ಅನುಬಂಧದ ಬಂಧಕ

ಬರಡು ಭೂಮಿಯೊಳು
ಒಡನೆ ಚಿಮ್ಮಿದ
ಓಯಾಸಿಸ್ಸಿನಂತೆ ನೀ ಬಂದೆ
ದಿಕ್ಕುಗೆಟ್ಟವರೊಡಲಿನ
ಆರ್ತನಾದವ ಆಲಿಸಿದೆ!

ಕಾರ್ಮಿಕರ ಕೋರಿಕೆಗೆ
ಸ್ಪಂದಿಸಿದೆ..
ಕರೆದು ಅವರನು ಸಂತೈಸಿದೆ
ಎಲ್ಲರ ಬಾಯೊಳೊ
ನಿಮ್ಮ ಹೆಸರೇ ಉಸುರಿದೆ!

ಬಾಡಿದ ಹೂವಬಳ್ಳಿಗೆ(ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಗೆ)
ನೀರು ಸಿಂಪಡಿಸಿ
ಮೊಗವ ನಗಿಸಿ,ಹಸಿರುಡಿಸಿದೆ!
ಅಂತ್ಯೋದಯ'ಹೆಸರಿನ
ಜನಕಲ್ಯಾಣ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾಪಿಸಿ

–ವಯೋವೃದ್ಧ, ಅನಾಥರ
ನಿರ್ಗತಿಕರ ಹಸಿವ ಮರೆಸಿ
ಅವರು ಬದುಕಬಹುದೆನ್ನುವ
ಛಲವನೊಂದನು ಬಿತ್ತಿದೆ
ರೈಲು ಕಂಬಿಯೊಳಗೂ ಪಿರುತಿ ಹರಿಸಿದೆ!

ನಮ್ಮ 'ಸಾಹೇಬ್ರು'ಎಂದು
ಸರ್ವರು ಹೆಮ್ಮೆಯ ಹೂ ನಗೆ ಬೀರಿ
ಹೆಸರು ಕೊಂಡಾಡುವಾಗ
ಇದ್ದರೇ ಇರಬೇಕೆನಿಸುತ್ತದೆ
ನಿಮ್ಮಂತವರು!

ರೈಲಿಗೆ ಮಾತ್ರವಲ್ಲ
ನೀವು ಮಹಾಪ್ರಭಂದಕರು!
ಕಾರ್ಮಿಕರ ಅದಮ್ಯ ಪ್ರೀತಿಗೆ
ಅವರಿವರ,ಅಧಿಕಾರಿವರ್ಯರ
ಅನುಬಂಧದ ಬಂಧಕರು!

वन्नबसप्पा चौगले
सहायक तकनीशियन
वास्को–द–गामा

ಪರಿಸರಸ್ನೇಹಿ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನೆಲ್ ನಮ್ಮ ಸ್ಟೇಷನ್ ನಮ್ಮ ಹೆಮ್ಮೆ

ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿ ಒಂದು ಉತ್ತಮ ಶಕ್ತಿವಾಹಕ. ಇದನ್ನು ಶಕ್ತಿಯ ವಿವಿಧ ರೂಪಗಳಿಗೆ ಬದಲಾಯಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು. ಭಾರತದಂತಹ ದೇಶದಲ್ಲಿ ದಿನದಿಂದ ದಿನಕ್ಕೆ ಹೆಚ್ಚುತ್ತಿರುವ ಜನಸಂಖ್ಯೆಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಜನರಿಗೆ ಒದಗಿಸುವ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯ ಪ್ರಮಾಣವು ಏರುತ್ತಲಿದೆ. ಆದಕಾರಣ ಶಕ್ತಿಯ ವಿವಿಧ ರೂಪಗಳಿಂದ ನೀರು ಗಾಳಿ ಬೆಳಕು ಉಷ್ಣ ಈ ಮೂಲಗಳಿಂದ ವಿದ್ಯುತಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸಿ ಜನರಿಗೆ ಪೂರೈಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ.

ನವೀಕರಿಸಲಾಗದ ಶಕ್ತಿಯ ಮೂಲಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಉತ್ಪಾದಿಸಿದ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಬಳಸಿ ಒಂದು ದಿನ ಭವಿಷ್ಯದಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯುತ್ ಅಭಾವವನ್ನು ಎದುರಿಸಬಹುದಾದ ಪ್ರಸಂಗ ಬರಬಹುದು. ಆದ ಕಾರಣ ಮುಗಿಯದೇ ಇರುವಂತಹ ಸಂಪನ್ಮೂಲವಾದ ಆ ಶಕ್ತಿಯ ಪ್ರಮುಖ ಆಕರವಾದ ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಪಡೆಯುವಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಬಳಸಿಕೊಂಡು ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯನ್ನಾಗಿ ಪರಿವರ್ತಿಸುವ ಸಾಧನಗಳೇ ಸೋಲಾರ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳು.

ಈ ಸದುದ್ದೇಶವನ್ನಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ನಮ್ಮ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ ರೈಲ್ವೆ ಸ್ಟೇಷನ್ ನಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು 700 ರವರೆಗೆ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನೆಲ್ ಗಳನ್ನು ಸ್ಟೇಷನ್ನಿನ ಪ್ಲಾಟಫಾರ್ಮ ನಂ. 01 ರ ಮಳಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಜೋಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರದ "ಸಖಿ ಪ್ರೋಜೆಕ್ಟ" ನ ಒಂದು ಭಾಗವಾದ ಸೌರ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯ ಬಳಕೆ ಒಂದು ಗಮನಾರ್ಹ ಸಂಗತಿ. ಸ್ಟೇಷನನಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಲಾದ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನೆಲ್ ಅಂದಾಜು 320 watt ವರೆಗೆ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ಹೊಂದಿದೆ. ಅಂದರೆ ಒಟ್ಟಾರೆ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳು ಸೇರಿ ಅಂದಾಜು 220 ಕೆವಿ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುತ್ತವೆ.

ಪ್ರತಿನಿತ್ಯ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ ರೈಲ್ವೆ ಸ್ಟೇಷನ್ ನಲ್ಲಿ ಬಳಕೆಯಾಗುವ ಒಟ್ಟಾರೆ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯ 70%ರಷ್ಟು ವಿದ್ಯುತಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಈ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳಿಂದಲೇ ಪಡೆಯಲಾಗುತ್ತಿದೆ. ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳು 26,000 ಯುನಿಟ್ ಗಳಷ್ಟು ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಈ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನನೆಲ್ ಗಳು ಉತ್ಪಾದಿಸುತ್ತಿವೆ. ಗ್ರಿಡ ವಿದ್ಯುತಶಕ್ತಿಗೆ ಹೋಲಿಸಿದರೆ ಪ್ರತಿ ಯೂನಿಟ್ ದರದಲ್ಲಿಯೂ 1.50 ರಿಂದ 2 ರೂಪಾಯಿಗಳವರೆಗೂ ಕಡಿಮೆಯಾಗಿದೆ.

ಅಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲದೆ ಈ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನೆಲ್‌ಗಳು Photovoltaic ಕೋಶಗಳಿಂದ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿರುವದರಿಂದ ಕೇವಲ ಸೂರ್ಯನ ಬಿಸಿಲನ್ನೇ ಅವಲಂಬಿಸದೆ ಬೆಳಗ್ಗೆ ಸೂರ್ಯೋದಯದಿಂದ ಸೂರ್ಯಾಸ್ತದವರೆಗೂ ಈ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳು ಕೆಲಸ ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತವೆ. ಆದ ಕಾರಣ ಮಳೆಗಾಲದಲ್ಲಿಯೂ ವಿದ್ಯುತ್ ಶಕ್ತಿಯ ಉತ್ಪಾದನೆಗೆ ಯಾವುದೇ ತೊಂದರೆಯಾಗಲಾರದು.

ಹಾಗೆಯೇ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳು ಅತಿ ಕಡಿಮೆ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಇಂಗಾಲವನ್ನು ಹೊರಸೂಸುವ ದರಿಂದ (Carbon emission) ಮಾಲಿನ್ಯರಹಿತವೂ ಹಾಗೂ ಪರಿಸರ ಸ್ನೇಹಿಯೂ ಆಗಿದೆ; ಸೋಲಾರ ಪ್ಯಾನಲ್ ಗಳ ಬಳಕೆ ಅಳವಡಿಕೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾಗದ್ದು ಕಡಿಮೆ ಖರ್ಚಿನಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯುತಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಪೂರೈಸುವ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯ ವಹಿಸುತ್ತದೆ.

ಈ ಸದುದ್ದೇಶದಿಂದ ರೈಲ್ವೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಕೈಗೊಂಡಿರುವ ಈ ಕ್ರಮ ನಿಜಕ್ಕೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯ. ಕೇವಲ ಸ್ಟೇಷನಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೇ ರೈಲ್ವೆ ವರ್ಕಶಾಪ, ರೈಲ್ವೆ ಆಸ್ಪತ್ರೆ, ರೈಲ್ವೆ ಮಂಡಲ ಪ್ರಬಂಧಕರ ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಮುಂತಾದೆಡೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಇವುಗಳ ಬಳಕೆ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತಿದೆ.

ಮುಂಬರುವ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ದಕ್ಷಿಣ ಪಶ್ಚಿಮ ರೈಲ್ವೆಯ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಸ್ಟೇಷನ್ ನಲ್ಲೂ ಸೋಲಾರ್ ಪ್ಯಾನೆಲ್ ಗಳನ್ನು ಜೋಡಿಸುವ ಯೋಜನೆಯನ್ನು ಹೊಂದಲಾಗಿದೆ.

"ನಮ್ಮ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ ಸ್ಟೇಷನ.....ನಮ್ಮ ಹೆಮ್ಮೆ"
ಧನ್ಯವಾದಗಳೊಂದಿಗೆ,

दीपा
प्वाइंट्समुन,
स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, हुब्बल्लि स्टेशन

कलम के धनी हुब्बल्लि मंडल के रेल कर्मियों उनके परिवारजनों एवं लेखकों से निवेदन

1. आपकी उत्कृष्ट रचनाओं का 'प्रतिबिंब' में स्वागत है।
2. कृपया अपनी रचनाओं की मूल प्रति ही भेजें: लेख / कविता आदि के साथ एक घोषणा पत्र भी संलग्न करें, जिसमें यह स्पष्ट किया गया हो कि मेरी यह रचना मौलिक एवं अप्रकाशित है तथा इसमें दी गई सामग्री की जिम्मेदारी लेखक की है।
3. पत्रिका को और बेहतर बनाने के लिए लेखकों और पाठकों के पत्रों एवं सुझावों का स्वागत है।
4. रचनाएं तथा फोटो rbadiv-swr-ubl@gmail-com पर ईमेल द्वारा भी भेज सकते हैं।

गणतंत्र दिवस–2019

हुब्बल्लि मंडल द्वारा 70वां गणतंत्र दिवस देश भक्ति व बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक, श्री राजेश मोहन ने ध्वजारोहण किया और अपने संबोधन में उन्होंने हुब्बल्लि मंडल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2018–19 के पिछले 9 महिनों के दौरान हासिल की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि हुब्बल्लि मंडल ने दिसंबर 2018 के अंत तक यात्री तथा माल ढुलाई में क्रमशः 265 करोड और 2220 करोड रुपये का अर्जन किया है। विभिन्न गाड़ियों के साथ 603 अतरिक्त कोच जोड़ते हुए प्रतीक्षारत यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ मुहैया किया है और भीड़भाड़ से निपटाने के लिए बड़े–बड़े शहरों के बीच विशेष गाड़ियों की 666 फेरियां चलाई हैं एवं 30 रेलवे स्टेशनों पर 19 जोड़ी गाड़ियों के लिए अतिरिक्त ठहरावं की व्यवस्था की गई है। रेल सुरक्षा बल के जवानों ने रेलवे स्टेशनों पर घर से भागे हुए 393 बच्चों का बचाव किया है और पैसंजरों के रु.7.77 लाख के कीमती सामान बरामद कर उन्हें लौटाया है। कुल 555 कोचों में 1994 बॉयो–टॉयलेट बिठाएं गए हैं और पिछले 9 महिनों के दौरान मंडल के 1097 कर्मचारियों को पदोन्नति वित्तीय लाभ दिया गया है। समारोह का समापन रेलवे स्कूल के बच्चों और भारत स्काउट व गाइड्स द्वारा मंचित रंगा–रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

भारत देश महान हो

शुद्ध आचरण हो,
दिल में ये प्रण हो,
जनसेवा में समर्पित
अपना ये जीवन हो,
अपने हाथों से अपने देश
का उत्थान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

आंखों में ज्वलन हो,
सीने में तपन हो,
प्रतिशोध से फड़के भुजायें
जब सामने दुश्मन हो,
हर युवक इस देश का
ऐसा वीर जवान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

खेतों में अन्न हो,
प्रचुर वृष्टि गर्जन हो,
भूख न रहे कोई वासी
ऐसा अपना स्वावलंबन हो,
सक्षम अन्नदाता देश का
हर एक किसान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

आधुनिकता का चलन हो,
तकनीकी का प्रचलन हो,
आविष्कार के क्षेत्र में
रोज नए सृजन हो,
ऐसा विकसित देश का
ज्ञान और विज्ञान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

अंग्रेजों का दमन हो,
या पराधीनता की घुटन हो
प्रतिरोध किए हमने ताकि
स्वतंत्र अपना वतन हो,
निश्चित करें सब इसका
व्यर्थ ना वो बलिदान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

सैलानियों का भ्रमण हो,
उन्नत भारत दर्शन हो,
क्रीड़ा जगत क्षेत्र में
अपना उत्तम प्रदर्शन हो,
विश्वपटल पर देश का
सर्वदा सम्मान हो,
कर्म करें हम ऐसा कि
भारत देश महान हो।

नीतीश कुमार रंजन,
उप.मु.सतर्कता अधि/दपरे/हुब्बल्लि

स्वच्छता ही सेवा

स्वच्छता का अर्थ है साफ–सफाई। प्रत्येक व्यक्ति को साफ रहना चाहिए। स्वयं को, अपने पालतू जानवर को, घर को, गली मोहल्ले को, शहर को साफ रखना चाहिए। मनुष्य को साफ कपड़े पहनना चाहिए तथा इससे मनुष्य का व्यक्तित्व में सफाई तथा उनकी स्वच्छता से जुड़ी आदतों का पता चलता है तथा समाज में मान–सम्मान प्राप्त होता है।

इसी प्रकार सेवा का अर्थ है मदद पहुंचाना। जैसा कि हम जानते हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा मनुष्य संसार के सभी प्राणियों में श्रेष्ठ है। मनुष्य दूसरे व्यक्ति को मदद करने के लिए तैयार रहता है। निः स्वार्थ रूप से मदद करना ही सेवा है।

स्वच्छता ही सेवा का अर्थ हुआ कि अपने आसपास को साफ रखने में मदद करना। स्वच्छता ही सेवा, भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान का ही हिस्सा है तथा इसके द्वारा मनुष्य के भीतर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा आसपास को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है।

स्वच्छ भारत अभियान का शुरुआत 2 अक्तूबर 2014 में हुई। 15 अगस्त 2014 को भारत के प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से इस योजना की घोषणा की तथा कहा है कि हमें समाज में स्वच्छता लाना है, जिससे भारत स्वच्छ रहे। खुले में शौच को बंद करना है। महिलाओं को अधिकार तथा आदर देना है और गांधीजी के 150वीं जन्मदिन अर्थात 02 अक्तूबर 2019 तक भारत को स्वच्छ बनाना है।

स्वच्छता के बारे में महात्मा गांधी का विचार था कि "स्वच्छता राजनीतिक स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण है"। इस वाक्य से गांधीजी का स्वच्छता के विषय के ऊपर गंभीरता को दर्शाता है। उनका कहना था कि जब तक प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता के प्रति जागरुक नहीं होगा, स्वच्छता को हिना भावना से देखना नहीं छोड़ेगा, तब तक गंदगी का अबांर लगा रहेगा तथा एक–दूसरे के ऊपर दोषारोपण होगा।

पिछले दिनों भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने उत्तर प्रदेश राज्य के कानपुर जिले के ईश्वरी गंज नाम गांव से "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। स्वच्छता सिर्फ सरकार का कार्यक्रम नहीं बनना चाहिए तथा सफाई सिर्फ सरकारी कर्मचारी के ऊपर निर्भर नहीं होना चाहिए। स्वच्छता के साथ–साथ हमें स्वच्छ रखने के लिए भी प्रयास करना चाहिए।

इस तरह भारत ने 16 सितंबर 2018 से 2 अक्तूबर 2018 तक स्वच्छता ही सेवा (जो स्वच्छ भारत का ही हिस्सा है) पखवाड़ा की शुरुआत की तथा स्वच्छ भारत अभियान को गति देने का प्रयास किया। इस दौरान नए शौचालय बनाने, शौचालयों का उपयोग करने आदि के लिए कार्यक्रम बनाया गया।

स्वच्छ भारत अभियान के लिए सरकार ने साल–दर–साल धन आवंटन में वृद्धि की है। वर्ष 2014–15 में 2850 करोड से बढ़कर 2015–16 में 6225 करोड़ तथा 2017–18 में 14000 करोड धन आवंटित किया। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत उपकर भी लगाया गया, जो कि 0.5% की दर से प्रभाव में है। भारत में प्रत्येक क्रय–विक्रय में यह उपकर लागू है तथा इसे हम स्वच्छ भारत के लिए प्रत्येक व्यक्ति या नागरिक का योगदान मान सकते हैं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा में प्रत्येक संस्थाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्कूलों में सफाई कर, अपने लैब की सफाई कर, क्लास रूम की सफाई कर हिस्सा लिया। स्कूलों में विद्यार्थियों के विभिन्न कार्यक्रम जैसे कि नाटक प्रस्तुतीकरण, निबंध लेखन, संगीत, चित्रकला आदि के माध्यम से भी छात्रों के बीच जागरूकता पैदा की तथा स्वच्छता के प्रति रुझान बढ़ाया। इस तरह स्वच्छता के लिए हम कह सकते हैं कि

घर समाज को रखो साफ
वरना भविष्य नहीं करेगा माफ
स्वच्छता को कर्म बनाइए
जीवन में इसे धर्म बनाइए

जैसे कि हम जानते हैं कि प्रत्येक कार्यक्रम का निश्चित उद्देश्य होता है। इसी प्रकार स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छता ही सेवा का निम्नलिखित उद्देश्य है।

- नए शौचालय का निर्माण कर खुले में शौच बंद करना
- टूटे हुए या बेकार शौचालयों की मरम्मत कर उसे फ्लशिंग सिस्टम युक्त बनाना।
- ठोस और द्रव अपशिष्टों की पहचान कर उसे उसके अनुरूप संश्लेषित करना तथा
- समाज में स्वच्छता की प्रति जागरूकता लाना तथा प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।
- मैन्युअल स्केविजिंग (हाथ से मल, भ्रूण की सफाई) को बंद करना।
- प्रत्येक व्यक्ति के घर तक पीने का स्वच्छ जल पहुंचाना।
- वृक्षारोपण करना तथा पेड़ों को काटने से बचाना। लोगों के बीच वृक्ष तथा पेड़ों से होने वाले फायदे के बारे में बताना।
- उर्जा की खपत में कमी करना तथा सौर्य ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि करना।

भारत सरकार ने इन सभी उद्देश्यों तथा लक्ष्यों के निर्धारण तथा मूल्यांकन के लिए प्राइवेट पार्टी को निर्देशित किया ताकि रिजल्ट में किसी तरह की कमी न रहे। प्राइवेट पार्टी ने भी अपनी रिपोर्ट में संख्या के आधार आदि का विवरण दिया, ताकी रिपोर्ट पर किसी तरह के संदेह न रहे। भारत सरकार ने इस अभियान को बेहतर तरीके से प्रचलित भी किया।

- अमिताभ बच्चन को स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड अंबेस्डर घोषित किया तथा मशहूर हस्ती सचिन तेंदुलकर तथा अक्षय कुमार को इस योजना से जोड़ा।
- सरकार ने स्वच्छ भारत के ऊपर एक पत्रिका प्रकाशित की तथा इसका प्रकाशन आज भी चालू है।
- सरकार ने सोशल मीडिया का भी उपयोग किया तथा फेसबुक, व्हाट्सएप तथा मोबाइल फोन में संदेश भेज कर लोगों को जागरूक किया।

- स्वच्छ भारत अभियान के ऊपर बॉलीवुड में बनी फिल्म "टॉयलेट–एक प्रेम कथा" भी इस अभियान का हिस्सा बनी तथा लोगों को शौचालय के महत्व के बारे में समझाया।
- स्वच्छ भारत अभियान में भारत के प्रत्येक राज्य, केंद्र सरकार के हर मंत्रालय, स्कूल, कॉलेज, निजी तथा सार्वजनिक कंपनियों तथा विभिन्न धार्मिक संगठनों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वच्छता ही सेवा में रेलवे का भी महत्वपूर्ण योगदान है तथा रेलवे में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा धूमधाम से मनाया गया। इसकी शुरुआत 16सितंबर 2018को कर्मचारियों के द्वारा कार्यालयों की साफ–सफाई कर तथा वृक्षारोपण कर हुई। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों ने भाग लिया

इस दौरान हुब्बल्लि मंडल ने 65 दिव्यांगजन शौचालय बनाकर अपने सभी स्टेशनों पर दिव्यांग जन शौचालय उपलब्ध कराया तथा करीब 20,000 वृक्षारोपण कर अपना लक्ष्य पूरा किया। इस पखवाड़े के समापन पर स्वच्छता रैली निकाली गई तथा नाटक, संगीत के द्वारा लोगों में जागरुकता फैलाई गई।

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि स्वच्छ भारत अभियान तथा स्वच्छता ही सेवा एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें भारत को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। अभी भी पूरा देश स्वच्छ नहीं हुआ है लेकिन लोगों में जागरूकता आई है तथा यदि लोग इस तरह साफ सफाई में योगदान देते रहेंगे तो हमारा देश भारत भी स्वच्छ रहेगा। स्वच्छता के कारण रोगमुक्त रहेगा तथा सभी तरह की खुशहाली रहेगी। इस तरह हम हमें आजादी दिलवाने वाले महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि देंगे। अतः मैं यही कहूंगा कि स्वच्छता ही हमारा मूल मंत्र होना चाहिए।

राम प्रकाश पाण्डेय
वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर, आरेख
वमंइंजी / का / हुब्बल्लि

आरोप

संगीन आरोपों से घिरा मानव, कठघरे में खड़ा था
आरोप ही आरोप विरुद्ध उसके, कईयों ने जड़ा था।
"वृक्ष" बोला, हे न्यायाधीश! मानव को हम देते आक्सीजन
और वो कर रहा समूल नाश! जिसको हम देते जीवन।
"नदी" बोली हे न्यायकर्ता! पीने को हम देते पानी,
और ये करता कलुषित प्रदूषित, कैसी इसकी नादानी,
क्या मूर्ख मानव के अकल, पर पत्थर कोई पड़ा था
संगीन आरोपों से घिरा मानव, कठघरे में खड़ा था
बोली "हवा" मानव बेवफा, क्या वफा दिखलाई है
प्रदूषित कर दिया हमको, ओजोन परत में, आपदा आई है
बोली "धरा" सिसकते हुए, कैसा कपूत ये इंसान है
हरा–भरा परिधान था मेरा, अब उजड़ा वीरान है
सुनकर गंभीर आरोप मानव, सिर गड़ाये खड़ा था
संगीन आरोपों से घिरा मानव, कटघरे में खड़ा था
बेजुबान प्राणियों ने भी लगाई, अति मार्मिक गुहार
अपनी भूख मिटाने को, करता आ रहा हमारा शिकार
प्रगति भी थी शेष में, बोली प्रतिशोध मैं लूंगी
स्वार्थी लोभी मानव जात को, अब नहीं मैं छोड़ूंगी
न्याय की देवी, बोली तब, सुन हे मूर्ख मानव
तुझमें देवत्व क्षीन हो रहा, प्रबल हो रहा अन्तर्दानव
आने वाली पीढ़ी के लिए, तुम जिम्मेदार रहोगे
अपने वंशजों का, तुम सब, तिरस्कार सहोगे
मानव के दुष्कर्मों से, भर गया, पापों का घड़ा था
संगीन आरोपों से घिरा मानव कठघरे में खड़ा था

विशाल कुमार जायसवाल
मुख्य नियंत्रक / हुब्बल्लि

अब तो जागो रे हिंदुस्तानी

वक्त आ गया कुछ करने का
अब तो जागो रे हिंदुस्तानी
अमर शहीदों के सपनों की
अब तो रच दो एक कहानी
अब तक जिनके हाथ बंधे थे
कैसे कुछ कर पाते
आज वो ही दिन कर के मुकर्रर
हम आतंकियों को दफनाते
47 गया 65 गया
गया 71और कारगिल
लेकिन पाक नहीं सुधरा
अब तो सपना सच करना होगा
नहीं चलेगा मॉकड्रिल
उरी शाहदत, फुलवामा शहादत
व्यर्थ ना जाने देंगे
जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा, जैसे संगठनों को
हम मिट्टी में दफना देंगे
कब तक दर्द सहोगे
उन आतंकियों की हमला वारी
अब सब प्रण कर लो
चालीस के बदले चलाएंगे खूनों की पिचकारी
कुछ ऐसा ना करना
रुके ना वह हमारी कहानी
वक्त आ गया कुछ करने का
अब तो जागो रे हिंदुस्तानी
कब तक साथ निभाएगा
चाइना जैसे देश
अब खून खराबा कर देंगे तेरा
भारत जैसा देश
जाति धर्म से ऊपर उठकर
सबको गले लगा लगाएंगे
अमर शहीदों के सपनों का
हम हिंदुस्तान बनाएंगे
यूं ना अपने फर्ज से पीछे
भागो रे हिंदुस्तानी
अमर शहीदों के सपनों की
रच दो एक कहानी
कभी व्यर्थ ना जाने देंगे
हम उनकी बलिदानी
वक्त आ गया कुछ करने का
अब तो जागो रे हिंदुस्तानी
जय हिंद जय भारत

योगेश कुमार मीणा
स्टेशन प्रबंधक / आलमटिट

ಜನ'ಸಾಮನ್ಯರು...!

ಕವಿತ್ವ ಸಾಧಿಸಿದವರೆಲ್ಲ
ಕುಲಜರಲ್ಲ ಬಿಡಿ...!
ಅವರಲ್ಲೂ ಎಡ,ಬಲಗಳಿವೆ.
ಪಂಥ ಬೇದದ ಬೇಗುದಿಯೊಳು
ಬಳಲಿ ಬೆಂಡಾಗಿ,ಸುಟ್ಟು ಕರಕಲಾದವರಿದ್ದಾರೆ.
ಇವರಾರು ಕವಿಗಳಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನ ಸಾಮನ್ಯರು.!

ಕಾವಿ ತೊಟ್ಟವರೆಲ್ಲ,
ಸಾಧುಗಳಲ್ಲ ಬಿಡಿ!
ಅವರಲ್ಲೂ, ಪೀಠ, ಪರಂಪರೆ
ಜಾತಿ ಲೆಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕೂಡುವವರಿದ್ದಾರೆ.
ಕಾಮ, ಮದಾದಿಗಳನ್ನು ಮರ್ಧಿಸದೇ ಒಳಗಿಟ್ಟುಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ
ಇವರಾರು ಸಾಧುಗಳಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನಸಾಮನ್ಯರು.!

ಬಿಳಿ ಬಟ್ಟೆಯುಟ್ಟುವರೆಲ್ಲ
ಸಮಾಜ ಸೇವಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ!
ಸಮಾಜ ಘಾತುಕರು ಇದ್ದಾರೆ.
ಸೇವೆಯ ಮುಖವಾಡ ಹೊತ್ತು
ಸಾಸಲು ಅಣಿಯಾದವರಿದ್ದಾರೆ.
ಜನ ಸೇವೆಗೆಂದು, ಕಪ್ಪು ಹಣವ ಕೂಡಿಟ್ಟು ಶುಭ್ರ ಬಿಳಿಯಂಬರ
ಉಟ್ಟು ಬಣ್ಣ ಬದಲಿಸಿದ್ದಾರಷ್ಟೇ
ಇವರಾರು ಸೇವಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನಸಾಮನ್ಯರು.!

ಖಾಕಿ'ತೊಟ್ಟವರೆಲ್ಲರೂ
ರಕ್ಷಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ. !
ಭಕ್ಷಕರು ಇದ್ದಾರೇ
ಕಾಯಲು, ಕಾಸು ಕೇಳಿ ಕೈ ಬಿಸಿ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು
ಗೋಗರೆಯುತ್ತಾರೆ.
ನೆಪ ಮಾತ್ರಕೆ ಖಾಕಿ ತೊಟ್ಟು
ಕಾಸು ವಸೂಲಿಗೆ ಇಳಿದಿದ್ದಾರೆ!
ಇವರಾರು ರಕ್ಷಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನಸಾಮನ್ಯರು.!

ಕಪ್ಪಂಗಿ ಧರಿಸಿ, ಬಿಳಿ ಕೊರಳ ಪಟ್ಟಿ ಬಿಗಿದವರೆಲ್ಲ ನ್ಯಾಯವಾದಿಗಳಲ್ಲ
ಬಿಡಿ.!
ನ್ಯಾಯದ ಕಣ್ಣು ಕಟ್ಟಿ
ಅನ್ಯಾಯಕ್ಕೆ ಜಯಘೋಷ ಮೊಳಗಿಸಿದವರಿದ್ದಾರೆ!
ಬಡವ, ಬಲ್ಲೀಗ, ಸತ್ಯವಂತರಿಗೂ ಶಿಕ್ಷೆ ವಿಧಿಸಿ...
ತಮ್ಮ ಜೇಬು ತುಂಬಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ.
ಇವರಾರು ನ್ಯಾಯವಾದಿಗಳಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನಸಾಮನ್ಯರು!

ಪಾಠಿ, ಬಳಪ, ಲೇಖನಿ
ವಿಡಿದವರೆಲ್ಲ ಶಿಕ್ಷಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ.!
ತರಗತಿಗೆ ತಡ ಮಾಡಿ ಬಂದು
ಉಂಡು ನಿದ್ದೆ ಹೊಡೆಯುವವರಿದ್ದಾರೆ!
ಬಿಸಿಯೂಟದ ಅಕ್ಕಿ, ಬೇಳೆ, ಬೆಲ್ಲವ ಕದಿಯುವವರಿದ್ದಾರೆ.
ಸಾಲದ್ದಕ್ಕೆ, ಶಾಲೆಯೊಳು
ಬೀಡಿ, ಸಿಗರೇಟ್, ಗುಟ್ಕಾದ
ನಂಟು ಬೆಳೆಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ.
ಇವರಾರು ಶಿಕ್ಷಕರಲ್ಲ ಬಿಡಿ
ನಮ್ಮಂತೆಯೇ ಜನಸಾಮನ್ಯರು!

ಎಲ್ಲಾ ರಂಗದಲ್ಲೂ...
ದೊಡ್ಡವರು, ತಿಳಿದವರು..
ವಿಚಾರವಂತರೇ ಇದ್ದಾರೆ.
ಆದರೆ, ಆಚಾರವಂತರಾಗದೇ
ಅವರು ನಮ್ಮ ನಿಮ್ಮಂತೆ ಜನಸಾಮನ್ಯರಾಗಿಯೇ
ಉಳಿದಿದ್ದಾರೇ !
ಕೆಲವೊಂದಿಷ್ಟು ಪುಣ್ಯಾತ್ಮರು
ಆಚರಿಸಿ, ಅನುಸರಿಸಿ
ಜನಸಾಮನ್ಯರೊಳಗಿಂದಾಚೆ
ಪರಮ ಮಾನ್ಯರಾಗಿದ್ದಾರೆ !

चन्नबसप्पा चौगले
सहायक तकनीशियन
वास्को–द–गामा

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

गत दिनों के पुलवामा से आई,
ज्यों ही जवानों के शहादत की खबर,
देश के कोने–कोने में फैली है,
शोक की लहर, शोक की लहर।।
पल भर में बेटे मां से बिछड़ गये,
अबलाओं के सारे सपने बिखर गये,
बहने रो रहीं हैं, जार जार,
बच्चे अपने पिता को रहे है पुकार,
कितना भयावह है ये मंजर,
भारत के कोने कोने में फैली हैं,
शोक की लहर शोक की लहर।।
पिता की आंखो का तारा,
जिनका न था कोई और सहारा,
सुनकर शहीद हुए बेटे की खबर,
रह गए स्तब्ध बन गए पत्थर,
ये कैसा ब्रजपात किया है, तुमने ईश्वर,
देश के कोने–कोने में फैली है,
शोक की लहर, शोक की लहर।।
अपने दोनों हाथ जोड़कर,
प्रभु से प्रार्थना करता हूं,
उन परिवारों को सहनशक्ति देना,
और शहीदों को कर देना अमर,
दिवंगत जवानों को बना देना अमर।।

काली चरण कुमार,
लगेज पोर्टर, गदग

हुब्बल्लि मंडल की गतिविधियां

बेलगावि में ऊपरी सड़क पुल का लोकार्पण

बेलगावि में ऊपरी सड़क पुल का शिलान्यास

इंडी रोड में ऊपरी सड़क पुल का लोकार्पण

धारवाड़ के रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास

कोप्पल में इंफ्रस्ट्रक्चर परियोजनों का लोकार्पण/उद्घाटन/शिलान्यास

कुष्टगि में नए स्टेशन भवन का शिलान्यास

लिटिल किंगडम प्ले - नर्सरी स्कूल का वार्षिक दिन

नव वर्ष पर अंत्योदय के बच्चों के साथ दपरेमकसं, हुब्बल्लि मंडल

बेलगावि स्टेशन में शील्ड व ट्रॉफी का वितरण

स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, प्रथम स्थान

स्वास्थ्य निरीक्षक कार्यालय, द्वतीय स्थान

हिंदी वाक् प्रतियोगिता-बेलगावि स्टेशन

हिंदी कार्यशाला - बल्लारि स्टेशन

मंडल राजभाषा कार्यानवयन समिति की बैठक

संपादक मंडल

संरक्षक
श्री राजेश मोहन
मंडल रेल प्रबंधक, हुब्बल्लि

मुख्य संपादक
श्री एस. के. झा
अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा

संपादक
श्री सचिन रा. जैन
राजभाषा अधिकारी

सह संपादक
श्री विजयकुमार लांडे
वरिष्ठ अनुवादक